

## भूटान के राजा भारत दौरे पर

### प्रलम्बिस के लयि:

चूखा जलवदियुत परयोजना, भारत-भूटान सीमा पर एकीकृत चेक पोस्ट, STEM-आधारति पहल, भारत इंटरफेस फॉर मनी ।

### मेन्स के लयि:

भारत-भूटान संबंघ ।

## चर्चा में क्यो?

भूटान के राजा ने भारत का दौरा कयि और भारतीय प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जहाँ दोनों नेताओं ने दवपिक्षीय सहयोग एवं **राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय हतिों** के मुददों पर चर्चा की ।

## प्रमुख बदि

- **भूटान की वकिस योजनाएँ:**
  - भूटान की परविरतन पहल और सुधार परकरयि एवं भूटान की वकिस महत्त्वाकांक्षाओं हेतु भारत का समर्थन, वशिष रूप **सेम्बर 2024 में शुरू होने वाली 13वीं पंचवर्षीय योजना** इस चर्चा का मुख्य वषिय था ।
  - भूटान की वर्ष 2023 में सबसे **अल्प वकिसति देशों** की सूची से नकिलने की उम्मीद है, साथ ही इसका अगले दस वर्षों में 12,000 अमेरिकी डॉलर की प्रता वियक्ता आय के साथ एक वकिसति देश बनने का लकष्य है ।
- **ऋण सुवधि और वत्तितीय सहायता:**
  - संस्थागत क्षमता नरिमाण और सुधारों हेतु वत्तितीय सहायता पर चर्चा करने के अलावा, भारत भूटान को तीसरी अतरिकित सर्टैडबाय क्रेडिट सुवधि देने पर भी सहमत हुआ है । दोनों देशों ने **भारत-भूटान उपगृह** के हालयि लॉन्च सहति जल वदियुत एवं सौर ऊर्जा परयोजनाओं के साथ-साथ अंतरकिक्ष सहयोग सहति ऊर्जा सहयोग के बारे में भी बात की है ।
- **जलवदियुत परयोजना के लयि पावर टैरफि:**
  - भारत सरकार ने **चूखा जलवदियुत परयोजना** हेतु वदियुत शुल्क बढ़ाने के लयि भूटान की लंबे समय से लंबति मांग पर सहमत वियक्त की है, जसिका परचालन वर्ष 1986 में भारत की मदद से शुरू कयि था ।
  - इसके अलावा भारत ने वर्ष 2008 में ऑसट्रयिई समर्थति **बसोचू जलवदियुत परयोजना से वदियुत खरीदने** के बारे में चर्चा करने के लयि सहमत जितार्ई है ।
- **संकोश जलवदियुत परयोजना:**
  - दोनों देश पर्यावरण और लागत संबंधी चतिओं के कारण दशकों से लंबति जलाशय आधारति 2,500 मेगावाट संकोश जलवदियुत परयोजना पर बातचीत में तेज़ी लाने का भी प्रयास करेंगे ।
- **एकीकृत चेक पोस्ट:**
  - भारत जयगाँव में **भारत-भूटान सीमा पर पहली एकीकृत चेक पोस्ट स्थापति करने** और प्रस्तावति कोकराझार-गेलेफू रेल लकि परयोजना में तेज़ी लाने की संभावनाओं पर भी वचिार कर रहा है ।
- **रेल और हवाई मार्ग लकि:**
  - भारत के साथ सीमा के पास भूटान गेलेफू में अपने दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नरिमाण कर रहा है । रेल लकि परयोजना दक्षिणी भूटानी शहर को **अंतरराष्ट्रीय नविश आकर्षति करने का एक केंद्र बनाने में मदद करेगी** ।
- **डजिटिल अवसंरचना:**
  - सहयोग के पारंपरिक क्षेत्रों से परे नए क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की गई, जैसे नई **STEM-आधारति पहल**, तीसरे अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट गेटवे जैसे डजिटिल अवसंरचना की स्थापना, भारत के राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ भूटान के डुरुकरेन (DrukRen) का एकीकरण (ई-लर्नगि के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण सहयोग), ई-लर्नगि पर भूटान के परयासों की पूरक ई-लाइब्रेरी परयोजना ।
- **वत्तितीय सहयोग:**
  - वत्तितीय सहयोग अथवा एकीकरण के तहत **RuPay परयोजना** का पहला चरण शुरू कयि गया था ।
  - भारत का **भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM)** भी जुलाई 2021 में लॉन्च कयि गया था ।

- दोनों पक्ष भूटान में BHIM ऐप के कार्यान्वयन की भी समीक्षा करेंगे।

## भारत-भूटान संबंध:

### ■ शांति एवं मतिरता की भारत-भूटान संधि, 1949:

- यह संधि अनन्य बातों के अलावा, स्थायी शांति एवं मतिरता, मुक्त व्यापार और वाणज्य तथा एक दूसरे के नागरिकों हेतु समान न्याय प्रदान करती है।
- वर्ष 2007 में संधि पर फरि से बातचीत की गई तथा भूटान की संप्रभुता को प्रोत्साहित करने के लिये प्रावधानों को शामिल किया गया, जिससे विदेश नीति पर भारत का मार्गदर्शन प्राप्त करने की आवश्यकता समाप्त हो गई।

### ■ बहुपक्षीय भागीदारी:

- दोनों बहुपक्षीय मंचों को साझा करते हैं जैसे **दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC)**, **'बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल' (BBIN)**, तथा **बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के लिये बंगाल की खाड़ी पहल (BIMSTEC)** आदि।

### ■ जलवदियुत सहयोग:

- यह जलवदियुत सहयोग वर्ष 2006 के जल वदियुत क्षेत्र में सहयोग समझौते के अंतर्गत है। इस समझौते के एक प्रोटोकॉल के तहत, **भारत वर्ष 2020 तक न्यूनतम 10,000 मेगावाट जलवदियुत के विकास तथा उसी से अधिशेष वदियुत के आयात में भूटान की सहायता करने हेतु सहमत हुआ है।**
- भूटान में कुल 2136 मेगावाट की चार जलवदियुत परियोजनाएँ (HEPs) - चूखा, कुरुछि, ताला और मंगदेछू पहले से ही संचालित हैं तथा भारत को वदियुत की आपूर्ति कर रही है।
- अंतर-सरकारी मोड में दो HEPs नामतः **पुनात्सांगछू-I, पुनात्सांगछू-II कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं**

### ■ व्यापार:

- दोनों देशों के बीच व्यापार **भारत- भूटान व्यापार और पारगमन समझौते, 1972** द्वारा संचालित होता है जिसे **अंतिम बार नवंबर 2016 में नवीनीकृत** किया गया था।
- नवंबर 2021 में भारत सरकार ने भारत के साथ भूटान के **द्विपक्षीय तथा पारगमन व्यापार के लिये सात नए व्यापार मार्गों को खोलने की औपचारिक घोषणा** की।
  - इन नए मार्गों से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने तथा दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ने की उम्मीद है।
- इसके अलावा भूटान से भारत में 12 कृषि उत्पादों के औपचारिक निर्यात की अनुमति प्रदान करने हेतु नई बाजार पहुँच प्रदान की गई है, जिससे देश के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

### ■ आर्थिक सहायता:

- भारत, भूटान का प्रमुख विकास भागीदार है। वर्ष 1961 में भूटान की पहली पंचवर्षीय योजना (FYP) के शुभारंभ के बाद से, भारत भूटान की FYPs को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। भारत ने भूटान की 12वीं FYP (वर्ष 2018-23) के लिये 4500 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।

### ■ शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सहयोग:

- बड़ी संख्या में भूटानी छात्र भारत में अध्ययन करते हैं। भारत सरकार भूटानी छात्रों को कई प्रकार की छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है।

## आगे की राह

- भारत-भूटान संबंधों के संदर्भ में पर्यावरणीय स्थिरता के महत्त्व को कम करके नहीं आँका जा सकता है। भारत और भूटान दोनों ही प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न हैं और **यह अनिवार्य है कि वे भविष्य की पीढ़ियों के लिये इन संसाधनों को संरक्षित और सुरक्षित करने हेतु मलिकर कार्य करें।**
- इसलिये यह महत्त्वपूर्ण है कि भारत और भूटान अपने द्विपक्षीय संबंधों में पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता देना जारी रखें और सतत विकास को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के अपने साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने की दृष्टि में कार्य करें।

## स्रोत: द हिंदू